

**पीत वि.** (तत्.) 1. पिया हुआ (जल आदि) 2. पीले रंग का, पीला पुं. 1. सोना 2. गंधक 3. पीली कटसरैया 4. कनेर का वृक्ष/फूल 5. चंपा का वृक्ष/फूल टि. स्त्री. पीत पत्रकारिता-पाठकों/लोगों को चौंकाने और सनसनी फैलाने वाली, अतिशयोक्तिपूर्ण, उत्तेजक, अप्रामाणिक एवं अमर्यादित सामग्री को पत्र/पत्रिका में प्रमुखता प्रदान कर प्रकाशित करना।

**पीतल पुं.** (तद्.) ताँबे और जस्ते से बनी एक कठोर और मिश्र धातु जिससे बर्तन आदि बनाए जाते हैं इति. पीतल युग-मानव सभ्यता के विकास क्रम का एक युग जिसमें पीतल धातु का प्रचलन प्रारंभ हो गया था।

**पीत हरित वि.** (तत्.) पीलापन लिए हुए हरा रंग।

**पीतांग वि.** (तत्.) पीले अंगों वाला व्यक्ति।

**पीतांबर पुं.** (तत्.) 1. पीला उत्तरीय पहनने वाले (कृष्ण) 2. पीला वस्त्र।

**पीताब्धि पुं.** (तत्.) 1. समुद्र पी जाने वाले, अगस्त्य ऋषि।

**पीताभ वि.** (तत्.) पीले रंग की आभा लिए हुए, पीलापन।

**पीतारुण पुं.** (तत्.) पीलापन लिए हुए लाल रंग।

**पीन वि.** (तत्.) विशाल, दीर्घकाय, भारी-भरकम, स्थूल, मोटा।

**पीनता वि.** (तत्.) स्थूलता, मोटाई, मोटापा।

**पीनवक्ष वि.** (तत्.) चौड़ी छाती वाला व्यक्ति विलो. पीनवक्षा-विशाल वक्ष वाली स्त्री।

**पीनस पुं.** (तत्.) नाक की एक बीमारी जिसमें नाक से गाढ़ा बदबूदार पानी सावित होता है।

**पीनस स्त्री.** (फा.) पालकी, शिविका।

**पीना स.क्रि.** (तद्.) 1. तरल पदार्थ जैसे जल, दूध, मदिरा आदि का पान करना 2. धूमपान करना जैसे- बीड़ी पीना, चिलम पीना, सिगार पीना 3. रसोई में भोजन बनाते समय किसी खाद्य पदार्थ द्वारा घी, तेल आदि अधिक सोखना

जैसे- लड्डू बनाने में बेसन बहुत घी पीता है ला.अर्थ. किसी का धन हड़पना जैसे- मिल-मालिक मजदूरों के लाखों रुपए पी गया मुहा. गुस्सा पी जाना- किसी घटना या बात से उत्पन्न क्रोध को तीव्र होने पर भी प्रदर्शित नहीं करना।

**पीना साँप पुं.** (देश.) मारवाड़ (राजस्थान) में पाया जाने वाला एक प्रकार का सर्प जो सोते व्यक्ति के सामने बैठकर उसकी साँस को विषैला कर देता है तथा जाते समय सोते व्यक्ति को अपनी पूँछ के प्रहार के जगाकर चला जाता है।

**पीनोरु वि.** (तत्.) मोटी जाँघों वाला।

**पीप स्त्री.** (तद्.) मवाद, घाव या फोड़े आदि से बहने वाला तरल पदार्थ।

**पीपरामूल पुं.** (तद्.) पिप्पली/पीपल नामक लता की औषधोपयोगी जड़।

**पीपल पुं.** (तद्.) एक छायादार विशाल वृक्ष जिसका पौराणिक, धार्मिक एवं आयुर्वेदिक महत्व है, इसके फूल गुप्त होते हैं अतः इसे गुह्यपुष्पक भी कहा जाता है मुहा. पीपल के पत्ते की तरह काँपना- अत्यधिक भयभीत होकर थर-थर काँपना; स्त्री. गुल्म जाति की एक लता जिसके फल और जड़ औषधोपयोगी होते हैं।

**पीपली स्त्री.** (तद्.) पिप्पली, पीपरि, पीपल।

**पीपा पुं.** (पुर्त.) लकड़ी, टिन, लोहे आदि का बना हुआ एक बड़ा पात्र जिसमें वस्तुएँ रखी जाती हैं जैसे- पीपे में तेल भर दो।

**पीब पुं.** (देश.) पीप, मवाद।

**पीय/पीया पुं.** (तद्.) प्रिय, पति, पिया।

**पीयूख पुं.** (तद्.) 1. अमृत 2. दूध।

**पीयूषग्रंथि स्त्री.** (तत्.) प्राणि. पियूषिका मस्तिष्क के नीचे स्थित एक अत्यंत छोटे आकार की वाहिनीहीन अंतःस्रावी ग्रंथि इससे उत्पन्न हार्मोन शरीर के विकास में सहायक होते हैं। (pituitary gland)

**पीयूषपाणि वि.** (तत्.) जिसके हाथ से दी हुई वस्तु में या हाथ के स्पर्श में अमृत सरीखा गुण हो।